

खुशहाल किसान-यूपी की पहचान



ग्रन्थ उत्पादन (प्रति हेक्टेयर)

2017 | 2023-24
72 मीट्रिक टन | 84 मीट्रिक टन

कृषि विकास दर (प्रतिशत)

2016-17 | 2023-24
6.6 | 18.2

कृषि क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)

2016-17 | 2023-24
20.54 | 29.66



यूपी देश का हृदयस्थल है। दुनिया की सबसे उर्ध्वा भूमि और सबसे अच्छा जल संसाधन हमारे पास है। यहीं नहीं, हमारा अब्रदाता किसान भी परिश्रमी और पुरुषार्थी है। उसी की मेहनत और परिश्रम का परिणाम है कि आज खाद्यान्न उत्पादन में यूपी देश में नंबर वन है। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आने के बाद जो कार्य प्रारंभ हुए, आज उनके परिणाम हमारे सामने हैं।

-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषि विकास व किसान समृद्धि के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं। सिंचाई के लिए निःशुल्क बिजली, मृदा हेल्पर कार्ड, तीन फसलों की बुवाई एवं उपज, कम पानी में अधिक फसलों की सिंचाई तथा आधुनिक तकनीक के स्तर पर ठोस एवं परिणामदायक प्रयास किये गये हैं। किसानों से जुड़ी समस्याओं के निराकरण एवं कृषि को लाभप्रद बनाने के लिए वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ ठोस कदम उठाये गये हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य में समय-समय पर वृद्धि की गई है। हर वर्ष कृषि क्षेत्र के लिए बजट भी बढ़ाया गया है। किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। प्राकृतिक कारणों से फसलों के नुकसान की स्थिति में किसानों की आर्थिक सुरक्षा का ख्याल सरकार ने रखा है। आज खाद्यान्न उत्पादन की क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। डबल इंजन सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज कृषि क्षेत्र की स्थिति न सिर्फ बेहतर हुई है, बल्कि किसानों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव नजर आ रहा है।

पीएम किसान सम्मान निधि, भारत के किसानों का बहुत बड़ा संबल बनी है। हर बार हर किस्त समय से, हर साल हजारों करोड़ रुपये का ट्रांसफर बिना किसी बिचालिये के, बिना किसी कमीशन के, पहले कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि भारत में ऐसा भी हो सकता है। छोटे किसान इस राशि से अच्छी व्यालिटी के बीज खरीद रहे हैं, अच्छी खाद और उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

-नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

हट कदम पर अन्नदाताओं का सम्मान



24 फरवरी 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना का शुभारंभ किया था। इस योजना ने किसानों की आर्थिक सशक्तीकरण का मजबूत आधार संभव प्रदान किया है, जिससे कृषि क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलाव हुए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं में से एक है। इस योजना के तहत डीबीटी के माध्यम से देशभर के किसान परिवारों के बैंक खातों में हर चार महीने में तीन समान किस्तों में 6000 रुपये प्रति वर्ष समान निधि का हस्तांतरण किया जाता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से अब तक देश के लगभग 11 करोड़ किसानों को 3.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक प्रदान किया गया है, वहीं यूपी के 2.80 करोड़ किसानों को 74,376 करोड़ रुपये हस्तांतरित किये गये हैं, जो देश में सर्वाधिक है।

किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ आसानी से मिल सके, इसलिए इसमें स्व-पंचकरण की व्यवस्था को लागू किया गया है। इसके साथ ही मोबाइल एप, पीएम किसान पोर्टल और सामान्य सेवाकेंद्रों में वॉक-इन के माध्यम से इस योजना का सरलीकरण किया गया है। एकीकृत हेल्प डेस्क के माध्यम से जहां इस योजना से जुड़ी समस्याओं का तरिके निराकरण हो रहा है, वहाँ प्रत्येक वर्ष योजना से जुड़े 5 प्रतिशत किसानों के वास्तविक सत्यापन के प्रावधान ने योजना की प्रामाणिकता को बल प्रदान किया है।



यूपी के 2.80 करोड़ किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 74,376 करोड़ रुपये हस्तांतरित

खेती के लिए मिली मदद
पीएम किसान सम्मान निधि योजना के प्रारंभ में लाभार्थियों की संख्या 3.16 करोड़ थी, जिसमें अब तक लगभग चार गुना से ज्यादा की बढ़ि इस योजना की सफलता एवं व्यापकता का प्रमाण है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए बड़ा संबल साबित हुई है। बुवाई से लेकर कफल बेचने तक किसानों के सामने कई आर्थिक चुनौतियां रही हैं। यह अनुभव रहा है कि अपनी आर्थिक जरूरतों पूरी करने के लिए किसान कर्ज के जाल में फँसता चला जाता था, ऐसे में इस योजना के माध्यम से साल में तीन बार मिलने वाली आर्थिक मदद ने किसानों को बहुत बढ़ा दिया।

कर्ज से मिली मुक्ति
प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से लाखों किसानों को लाभ पहुंचाया है। किसान भाई खेती के लिए अब किसी से कर्ज नहीं मांगते। छोटे किसान अधिक अन्न उपजा रहे हैं। जब पैसे मिलते हैं, तब अगली खेती की तैयारी में लगा देता हूं।

खाद-बीज की खरीद हुई आसान
सरकार ने किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से लाखों किसानों को लाभ पहुंचाया है। किसान भाई खेती के लिए मददगार साबित हो रही है। साल में 6000 रुपये तीन किस्तों में मिलते हैं। फसल के लिए खाद, बीज आदि की खरीद हो जाती है। पहले खेती करने में तमाम समस्याएं आती थीं, अब पैसे की दिक्कत नहीं होती है।

रामस्वरूप, बलरामपुर

हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने योजना की लाभार्थियों को आयोजित किसान सम्मेलन के मंच से देश के प्रवर्तनर से दक्षिण और उत्तर क्षेत्र की 5 कृषि सखियों को सम्मानित कर बड़ा संदेश दिया। ये कृषि सखी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और मेघालय की थीं।

प्रधानमंत्री के हाथों प्रमाणपत्र मिलने और उनसे बात करने के बाद वे बेहद प्रफुल्लित दिखीं और बताया कि

पीएम ने उनके काम की सराहा और हौसला भी बढ़ाया। अब वे दोगुने उत्तमान्वय के साथ कृषि क्षेत्र में काम करेंगी। अन्य महिलाओं को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर और कुशल किसान बनाएंगी।

वाराणसी के पिंडारी की लखपति कृषि सखी मीरा पाल भी सम्मानित हुई। उन्होंने कंपोस्ट खाद, जैविक खाद आदि का वास्तविक सत्यापन के प्रावधान ने योजना की लाभार्थियों को दोगुने वास्तविक सत्यापन किया है।

मीरा के समूह में दो सौ महिलाएं हैं, जिन्हें वह प्रशिक्षित कर रही हैं।

किसानों के लिए 3 नई योजनाएं मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना



पड़ेगा और वह खेत की तरफ नहीं आयेगा। इसके अलावा पशु द्वारा बाढ़ को छूते ही सायरन भी बजेगा।

राज्य कृषि विकास योजना
योजना का मुख्य उद्देश्य : उत्पादकता को आर्थिक गतिविधि के मुख्य प्रोत्साहन देकर और मूल्य शृंखला बढ़ावी देकर किसानों की आय बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ावा देकर करना, मशरूम की खेती, एकीकृत खेती, फूलों की खेती आदि के माध्यम से आय बढ़ावा पर ध्यान केंद्रित करके किसानों के जीवित को मजबूत करना, विभिन्न कौशल विकास, नवाचार और कृषि व्यवसाय मॉडल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना है।

यूपी एग्रीज योजना

विश्व बैंक सहायतित एग्रीज योजना विकास खेतों-ग्राम पंचायतों में स्वचालित मौसम केंद्र और स्वचालित वर्षा मार्ग व्यापारिक स्थानों के लिए बजट में 200-200 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

आय में बढ़ोतरी, चेहरों पर मुट्कान



उत्तर प्रदेश में एमएसपी पर खरीद का विवरण

ग्रैंड : 222.48 लाख मी. टन (वर्ष 2017-18 से वर्ष 2023-24)	धान : 397.01 लाख मी. टन (वर्ष 2017-18 से वर्ष 2023-24)
किसानों को भुगतान 40,834.60 करोड़ रुपये	किसानों को भुगतान 75,164.00 करोड़ रुपये
लाभान्वित किसान : 47,34,809	लाभान्वित किसान : 61,34,507
मक्का : 1.19 लाख मी. टन (वर्ष 2018-19 से वर्ष 2023-24 तक)	मक्का : 3.99 लाख मी. टन (वर्ष 2022-23 से वर्ष 2023-24 तक)
किसानों को भुगतान 220.07 करोड़ रुपये	किसानों को भुगतान 990 करोड़ रुपये
लाभान्वित किसान : 27,618	लाभान्वित किसान : 75,434

पिछले 10 वर्षों में बढ़ता न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)

फसल	2013-14	2024-25
धान (सामान्य)	₹1,310	₹2,300
धान - ग्रेड A	₹1,345	₹2,320
ज्यारा - हाइब्रिड	₹1,500	₹3,371

मोबाइल के सच-झूट

वायरलेस फोन से निकलने वाला विकिरण, यानी रेडिएशन हमारे शरीर को नुकसान पहुंच सकता है, इसकी चिंता तो मोबाइल फोन के अगमन से पहले ही थी। उस समय ही, जब कॉर्लीस फोन इस्टेमाल होने लगे थे। मोबाइल फोन जब आए, तो यह कहने वाले कई मिल जाते थे कि इसे कमीज की सामने की साथी जैसे रखना चाहिए, क्योंकि वहाँ पीछे दिल होता है और मोबाइल का रेडिएशन आपके दिल का मरीज बना सकता है या आपके दिल की धड़कन को प्रभावित कर सकता है। 5जी फोन 80 गीगाहर्डज पर काम करते थे, जबकि 5जी फोन 0.7 से 2.7 गीगाहर्डज पर काम करते थे, जबकि 5जी फोन 80 गीगाहर्डज पर। कुछ लोगों ने तो यह आंकड़ा देखकर ही हाय-तौबा शुरू कर दी। हालांकि, वैज्ञानिक यह समझाते रहे कि यह नॉन-आयनिक रेंज है और इसका खतरा एक्स-रे या कॉमिक्स-रे जैसा नहीं है। मगर चिंता करने वाले इतनी आसानी से कहा मानते हैं। इसे बीच 5जी फोन की संख्या और उनका इस्टेमाल तेजी से बढ़ा और उन पर चलने वाले वाट्सएप जैसे माध्यमों में यह प्रचार भी बढ़ा कि कैसे दुनिया इसी फोन की वजह से ब्रेन कैंसर की चपेट में आती जा रही है। हाद तो तब हो गई, जब एक समय यह कहा गया कि 5जी टावर की वजह से लोगों को कोविड हो रहा है। वैज्ञानिक इस सब पर सिर्फ लीपापोती ही नहीं कर रहे थे, वे चिंतित भी थे। दुनिया भर में इसके कई गंभीर अध्ययन हुए और अलग-अलग तरह के नतीजे सामने आए, पर चिंताएं और अफवाहें बदल सूर जारी रहीं, बदल रहीं।

मोबाइल फोन से निकलने वाले विकिरण से कैंसर होने का या उसका जोखिम बढ़ जाने का खतरा है, इसके लिए दिए जाने वाले तर्क काफी कमज़ोर हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऐसे पांच हाजार से भी ज्यादा अध्ययन जमा किए। सबको सजोया, उनका पूरे वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन किया। ठीक यहाँ पर एक बात और समझ लेनी चाहिए कि कुछ दूसरे कैसर की तरह ही हम ब्रेन कैंसर होने का कारण अभी भी ठीक से नहीं जानते।

हमें नहीं पता कि कुछ लोगों को यह क्यों हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए यह अध्ययन करने वाले कैसर वैज्ञानिक इस नतीजे पर पहुंचे कि मोबाइल फोन या उसका जोखिम बढ़ जाने का खतरा है, इसके लिए दिए जाने वाले तर्क काफी कमज़ोर हैं। उनकी नजर में यह खतरा उस तरह का नहीं है, जितना कि इसे बताएगा।

अब जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी तरफ से इस चिंता पर विवरण किया कि मोबाइल फोन या उसका जोखिम बढ़ जाने का खतरा है, इसके लिए उनके साथ अध्ययन करने वाले भी बहुत से मिल जाएंगे। ठीक यहाँ पर एक बात और, विज्ञान अपने अध्ययन को लगातार जारी रखता है। उसे कभी लगा कि मोबाइल विकिरण से कोई खतरा है, तो आपको सबसे पहले यह बात विज्ञान ही बताएगा, सोशल मीडिया नहीं।

हमें नहीं पता कि कुछ लोगों को यह क्यों हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए यह अध्ययन करने वाले कैसर वैज्ञानिक इस नतीजे पर पहुंचे कि मोबाइल फोन या उसका जोखिम बढ़ जाने का खतरा है, इसके लिए दिए जाने वाले तर्क काफी कमज़ोर हैं। उनकी नजर में यह खतरा उस तरह का नहीं है, जितना कि इसे बताएगा।

अब जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी तरफ से इस चिंता पर विवरण किया कि मोबाइल फोन या उसका जोखिम बढ़ जाने का खतरा है, इसके लिए उनके साथ अध्ययन करने वाले भी बहुत से मिल जाएंगे। ठीक यहाँ पर एक बात और, विज्ञान अपने अध्ययन को लगातार जारी रखता है। उसे कभी लगा कि मोबाइल विकिरण से कोई खतरा है, तो आपको सबसे पहले यह बात विज्ञान ही बताएगा, सोशल मीडिया नहीं।

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

08 सितंबर, 1949

कस्तूरबा ट्रस्ट का कार्य

सब कस्तूरबा की पावन सृष्टि में एक कोष संग्रह विकाया गया था और उस कोष की व्यवस्था करने के लिए एक ट्रस्ट कायम किया गया था। इस संघर्ष ट्रस्ट के अध्यक्ष रातर पेटेल और मंत्री श्री अमृतलाल हैं। ट्रस्ट के प्रधान कायायन ने, जो वर्षा में संतुष्ट है, ३१ दिसंबर तक १९४५ को मंत्री श्री अमृतलाल के विकाया गया था। और उनमें काम करने वाली सेविकाओं को संख्या ३१ है। केंद्रों में १४३ राम सेवा केन्द्र, १५१ चुनियादी स्कूल काया आयम है यथा ११ कालावाड़ी केन्द्र और ३२ वैद्यकीय केन्द्र हैं। सबसे अधिक केन्द्र बांधा और तामिलनाडु में है। ट्रस्ट ने विभिन्न शिक्षण योजनाओं का प्रबन्ध किया है जिनकी अवधि एक वर्ष से छाई वर्ष तक नियंत्रित की गई है। उनमें कस्तूरबा सेवा प्रशासन सभी कार्यकर्ताओं के लिए अनियंत्र प्रारंभिक शिक्षण रखा गया है।

इसके अलावा ग्राम सेविका शिक्षण, बुनियादी तालीम शिक्षण, बालवाड़ी शिक्षण, दाई के कायम किया गया था और परिवर्तनीक शिक्षण की भी ट्रस्ट व्यवस्था करता है। ग्राम के सेविका शिक्षण को केंद्रों में ५२ छात्रों और प्रायः रिकार्डों में संतुष्ट कर रहा है। इनमें १२६ शिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं और ३१ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। बुनियादी शिक्षण तालीम केन्द्रों में १७ छात्रों थीं। उनमें से ५८ नेशनल समाप्त कर लिया और ३४ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। ट्रस्ट के सुविधाएं और प्रसूति से पहले के करीब ४ हजार और प्रसूति के लिए १४३ राम सेवा केन्द्र, १५१ चुनियादी स्कूल काया आयम है यथा ११ कालावाड़ी केन्द्र और ३२ वैद्यकीय केन्द्र हैं। सबसे अधिक केन्द्र बांधा और तामिलनाडु में है। ट्रस्ट ने विभिन्न शिक्षण योजनाओं का प्रबन्ध किया है जिनकी अवधि एक वर्ष से छाई वर्ष तक नियंत्रित की गई है। उनमें कस्तूरबा सेवा प्रशासन सभी कार्यकर्ताओं के लिए अनियंत्र प्रारंभिक शिक्षण रखा गया है।

इसके अलावा ग्राम सेविका शिक्षण, बुनियादी तालीम शिक्षण, बालवाड़ी शिक्षण, दाई के कायम किया गया था और परिवर्तनीक शिक्षण की भी ट्रस्ट व्यवस्था करता है। ग्राम के सेविका शिक्षण को केंद्रों में ५२ छात्रों और भीड़ीयों में संतुष्ट कर रहा है। इनमें १२६ शिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं और ३१ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। बुनियादी शिक्षण तालीम केन्द्रों में १७ छात्रों थीं। उनमें से ५८ नेशनल समाप्त कर लिया और ३४ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। ट्रस्ट के सुविधाएं और प्रसूति से पहले के करीब ४ हजार और प्रसूति के लिए १४३ राम सेवा केन्द्र, १५१ चुनियादी स्कूल काया आयम है यथा ११ कालावाड़ी केन्द्र और ३२ वैद्यकीय केन्द्र हैं। सबसे अधिक केन्द्र बांधा और तामिलनाडु में है। ट्रस्ट ने विभिन्न शिक्षण योजनाओं का प्रबन्ध किया है जिनकी अवधि एक वर्ष से छाई वर्ष तक नियंत्रित की गई है। उनमें कस्तूरबा सेवा प्रशासन सभी कार्यकर्ताओं के लिए अनियंत्र प्रारंभिक शिक्षण रखा गया है।

इसके अलावा ग्राम सेविका शिक्षण, बुनियादी तालीम शिक्षण, बालवाड़ी शिक्षण, दाई के कायम किया गया था और परिवर्तनीक शिक्षण की भी ट्रस्ट व्यवस्था करता है। ग्राम के सेविका शिक्षण को केंद्रों में ५२ छात्रों और भीड़ीयों में संतुष्ट कर रहा है। इनमें १२६ शिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं और ३१ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। बुनियादी शिक्षण तालीम केन्द्रों में १७ छात्रों थीं। उनमें से ५८ नेशनल समाप्त कर लिया और ३४ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। ट्रस्ट के सुविधाएं और प्रसूति से पहले के करीब ४ हजार और प्रसूति के लिए १४३ राम सेवा केन्द्र, १५१ चुनियादी स्कूल काया आयम है यथा ११ कालावाड़ी केन्द्र और ३२ वैद्यकीय केन्द्र हैं। सबसे अधिक केन्द्र बांधा और तामिलनाडु में है। ट्रस्ट ने विभिन्न शिक्षण योजनाओं का प्रबन्ध किया है जिनकी अवधि एक वर्ष से छाई वर्ष तक नियंत्रित की गई है। उनमें कस्तूरबा सेवा प्रशासन सभी कार्यकर्ताओं के लिए अनियंत्र प्रारंभिक शिक्षण रखा गया है।

इसके अलावा ग्राम सेविका शिक्षण, बुनियादी तालीम शिक्षण, बालवाड़ी शिक्षण, दाई के कायम किया गया था और परिवर्तनीक शिक्षण की भी ट्रस्ट व्यवस्था करता है। ग्राम के सेविका शिक्षण को केंद्रों में ५२ छात्रों और भीड़ीयों में संतुष्ट कर रहा है। इनमें १२६ शिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं और ३१ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। बुनियादी शिक्षण तालीम केन्द्रों में १७ छात्रों थीं। उनमें से ५८ नेशनल समाप्त कर लिया और ३४ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। ट्रस्ट के सुविधाएं और प्रसूति से पहले के करीब ४ हजार और प्रसूति के लिए १४३ राम सेवा केन्द्र, १५१ चुनियादी स्कूल काया आयम है यथा ११ कालावाड़ी केन्द्र और ३२ वैद्यकीय केन्द्र हैं। सबसे अधिक केन्द्र बांधा और तामिलनाडु में है। ट्रस्ट ने विभिन्न शिक्षण योजनाओं का प्रबन्ध किया है जिनकी अवधि एक वर्ष से छाई वर्ष तक नियंत्रित की गई है। उनमें कस्तूरबा सेवा प्रशासन सभी कार्यकर्ताओं के लिए अनियंत्र प्रारंभिक शिक्षण रखा गया है।

इसके अलावा ग्राम सेविका शिक्षण, बुनियादी तालीम शिक्षण, बालवाड़ी शिक्षण, दाई के कायम किया गया था और परिवर्तनीक शिक्षण की भी ट्रस्ट व्यवस्था करता है। ग्राम के सेविका शिक्षण को केंद्रों में ५२ छात्रों और भीड़ीयों में संतुष्ट कर रहा है। इनमें १२६ शिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं और ३१ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। बुनियादी शिक्षण तालीम केन्द्रों में १७ छात्रों थीं। उनमें से ५८ नेशनल समाप्त कर लिया और ३४ शिक्षण प्राप्त कर रही हैं। ट्रस्ट के सुविधाएं और प्रसूति से पहले के करीब ४ हजार और प्रसूति के लिए १४३ राम सेवा केन्द्र, १५१ चुनियादी स्कूल काया आयम है यथा ११ क

ग्राउंड रिपोर्ट

जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा के प्रतिनिधि का सत्ता के गलियारे में भले ही खासा दखल रहा है, पर यहां के लोग आज भी जाम और जलजमाव की समस्या से ज़ज़ुर रहे हैं। यातायात के लिए बेहद अहम मानों पुल पर हर रोज जाम शायद नियत बन चुकी है। मानों को कई इलाकों के साथ सोनारी का पॉश इलाका बारिश

में लगालब हो जाता है। अतिक्रमण का दायरा बढ़ता जा रहा है। बेहतर स्वास्थ्य व तकनीकी शिक्षण संस्थान की योजना फाइलों में ही दबकर कर रह गई है।

अपना झाएखंड

जाम के झाम के साथ झोल रहे जलजमाव का दंश

जमशेदपुर पश्चिम

विद्यासागर

2024

कुल मतदाता
379257

2019

वना गुमा (कांग्रेस)
देवेंद्र सिंह (भाजपा)

2014

सरयू राय (भाजपा)
वना गुमा (कांग्रेस)



उम्मीदवार से बातचीत



पूर्णा गुमा, विधायक



वना गुमा, विधायक

पुरुष मतदाता
193724
महिला मतदाता
185505

96778
74195

95346
84829



मानों पुल (जयप्रकाश नारायण से), जहां अक्सर जाम लगने के कारण वाहनों की लंबी कतार लगी रहती है। यह पुल मानों को सुख्ख शहर से ज़ोड़ता है।

सीव्यास ने कांग्रेस के टिकट पर पहली जीत दर्ज की थी

जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र का गठन 1967 में हुआ था। 1967 से 2019 तक हुए 13 विधानसभा चुनावों में भाजपा ने पांच, कांग्रेस ने चार, भाकपा ने दो और जनता पार्टी व झारुमों ने एक-एक बार जीत हासिल की है। कांग्रेस के सी व्यास 1967 में पहले विधायक बने। उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की थी। उसके बाद 1980 में मो. शमशूद्दीन खान (कांग्रेस) और 2009 व 2019 में इस सीट पर जीत हासिल की। सरयू राय भी दो बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही है।

■ जामों में जाम से निजात दिलाने के प्रयास करें। ■ स्वास्थ्य सेवा दुरुस्त कराई जाएं। ■ मानों को स्कूलों को अपग्रेड कराया जाए। ■ वकर्स कोलेज का जीणांद्वार कराया जाए। ■ सुकना बस्ती में गोकुलनगर के बीच पुल का निर्माण

वादे किए

- जामों में जाम से निजात दिलाने के प्रयास करें।
- स्वास्थ्य सेवा दुरुस्त कराई जाएं।
- मानों को स्कूलों को अपग्रेड कराया जाए।
- वकर्स कोलेज का जीणांद्वार कराया जाए।
- सुकना बस्ती में गोकुलनगर के बीच पुल का निर्माण

वादे पूरे हुए

- जामों में जाम से निजात दिलाने के प्रयास करें।
- स्वास्थ्य सेवा दुरुस्त कराया जाए।
- मानों को स्कूलों को अपग्रेड कराया जाए।
- वकर्स कोलेज का जीणांद्वार कराया जाए।
- सुकना बस्ती में गोकुलनगर के बीच पुल का निर्माण

वोटरों के बोल



किरी भी क्षेत्र के विकास के लिए शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाना चाहता जूरी है। मानों इसमें अब भी पिछला हुआ है। सभी को जागरूक करने की ज़रूरत है। -राजेश सिंह, उलीचौह

अब भी काफी पिछला हुआ है। सभी को जागरूक करने की ज़रूरत है। -राजेश सिंह, उलीचौह

जमशेदपुर पश्चिमी का गैर कंपनी वाला हिस्सा पूरी तरह से पिछला हुआ है।

इलाका नागरिक सुविधाओं से उपेक्षित है। पेयजल और बिजली की समस्या बरकरार है।

-सुरेश महो, सुकना बस्ती

मानों में फिलाल विकास की ज़रूरत है।

फिलाल में जागरूक करने के लिए वाइटर और रिकिट एक बाइक पर सवार होकर गढ़वा से घर जा रहे थे।

प्रेशर बम के विस्फोट से पिता-पुत्र घायल

गावां। गावां थाना क्षेत्र के गढ़वा पार गिर्द से एक किलोमीटर अंदर जंगल में

प्रेशर बम विस्फोट से पिता व पुत्र घायल हो गए। घायल की पहचान मध्यप्रदेश के

कट्टीनी वार्ड में रायगढ़ी मंडीद रायगढ़ी व दो वर्षीय पुत्र अजिंद एक बाइक पर घायल हो गया है। दोनों घायलों को जाले जाने के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं

मध्यांशु। रायगढ़ी थाना नांतर तक घोषित की गयी है। अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

■ अधेड़ की मौत मामले में अब तक केस दर्ज

देश में महिलाओं के खिलाफ शारीरिक और यौन हिंसा में बढ़ोतरी

महिलाओं के खिलाफ हिंसा का ट्रेंड बढ़ा

एनएफएचएस के अलग-अलग साल में हुए आकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। इसके बाद उन्हें वार श्रेणियों में बांटा गया। पति और अन्य के शारीरिक हिंसा तथा पति और अन्य लोगों द्वारा यौन हिंसा। एनएफएचएस 2018-21 के डाटा में अन्य लोगों द्वारा शारीरिक व यौन हिंसा 2004-06 की तुलना में अधिक थी।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा का ट्रेंड

महिलाओं (15-49 वर्ष) का प्रतिशत, जिन्होंने हिंसा का समान किया (पिछले एक साल में)



01 प्रतिशत से मी कम मामले पुलिस को रिपोर्ट किए गए



दूसरे लोगों द्वारा यौन हिंसा के मामले घटे

शेष के अनुसार दूसरों द्वारा यौन हिंसा की रिपोर्टिंग 2004-06 और 2014-16 में वीच तथा 2014-16 और 2018-21 के बीच कम हुई है। वर्ती शारीरिक हिंसा की रिपोर्टिंग में चूंकि दर्द की गई है तो फिल्म यह वेहद कम है, इन दर्दों के 1% से भी कम मामले पुलिस को रिपोर्ट किए गए हैं। परिवर्ती द्वारा शारीरिक और यौन हिंसा के खिलाफ हिंसा का सबसे आम रूप है, जिसकी रिपोर्ट सबसे कम की जाती है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के खिलाफ बढ़ती चिंता के बावजूद, रिपोर्ट में किसी भी तरह की वृद्धि नहीं दर्ज की गई है।

हिंसा की रिपोर्टिंग का ट्रेंड राज्यों में अलग

महिलाओं के खिलाफ रिपोर्टिंग 2004-06 से 2014-16 और 2018-21 में वीच तथा 2014-16 और 2018-21 के बीच कम हुई है। वर्ती शारीरिक हिंसा की रिपोर्टिंग में चूंकि दर्द की गई है तो फिल्म यह वेहद कम है, इन दर्दों के 1% से भी कम मामले पुलिस को रिपोर्ट किए गए हैं। जबकि विहार, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों में ट्रेंड इक्सेप्टेड हुआ है। जब पति द्वारा शारीरिक और यौन हिंसा का सबसे आम रूप है, जिसकी रिपोर्ट सबसे कम की जाती है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के खिलाफ बढ़ती चिंता के बावजूद, रिपोर्ट में किसी भी तरह की वृद्धि नहीं दर्ज की गई है।

Hindustan Times

उत्तराखण्ड की सभी जेलों में बंदियों और कैदियों से मुलाकात पर सख्ती कुख्यात पीपी को जेल में दीक्षा देकर महंत बनाने की जांच शुरू



05 सिंतंबर को शिक्षक दिवस के दिन अल्मोड़ा जेल में दीक्षा दिए जाने का मामला

जून अख्याड़ की जांच दर्शहरे तक पूरी होगी

अल्मोड़ा लॉन में बंद प्रकाश पांडे उर्फ़ पीपी को जैश तीर पर महंत बनने की जांच दर्शहरे तक पूरी होगी। रविवार को जून अख्याड़ के जैश अधिकारियों से भी जानकारी जुटाने का प्रयास करेगी। जून अख्याड़ के अंतरराष्ट्रीय संस्करण महंत हरी गिरि ने फोन पर 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में बताया कि प्रकरण में जांच कर्मी ने अपना काम शुरू कर दिया है।

प्रकाश पांडे उर्फ़ पीपी (फाइल फोटो)

चौहान साल से जेल में बंद है पीपी

देशग्रन्थ 90 के दशक के कुख्यात पैग्यस्टर पीपी का आपराधिक रिकार्ड काफी पुराना है। बत्या संबंध कई आपराधिक मामलों का आरोपी पिछले 14 साल से विभिन्न जेलों में सजा काट रहा है। उसे राजन का दहिना हाथ माना जाता था।

देने की घोषणा की गई।

अंतर्राष्ट्रीय डॉन पीपी को जेल के भीतर कथित तीर पर दीक्षा दिए जाने का वायर माला जारी करने के लिए कहा गया। अप्रकाश पांडे उर्फ़ पीपी को प्रकाशन के साथ जांच अधिकारी को इसे दिया गया। यह बायरों में बंदी की ओर कैदियों को आदेश दिया। जांच अधिकारी को इसे दिया गया।

यह मामला पिछले तीन दिनों से सुर्खियों में है। मालूम हो कि पांच सिंतंबर को शिक्षक दिवस के दिन कुछ सत्रों ने अल्मोड़ा जेल में जाकर कुख्यात पीपी को जैश दीक्षा देने का दावा किया। प्रकाश पांडे उर्फ़ पीपी को प्रकाशन के साथ जांच अधिकारी को इसे दिया गया। यह बायरों में बंदी की ओर कैदियों को आदेश दिया।

यह मामला पिछले तीन दिनों से सुर्खियों में है। मालूम हो कि पांच सिंतंबर को शिक्षक दिवस के दिन कुछ सत्रों ने अल्मोड़ा जेल में जाकर कुख्यात पीपी को जैश दीक्षा देने का दावा किया। प्रकाश पांडे उर्फ़ पीपी को प्रकाशन के साथ जांच अधिकारी को इसे दिया गया। यह बायरों में बंदी की ओर कैदियों को आदेश दिया।

01 हपते के भीतर एडीजी कारागार को जांच के बाद देनी होगी रिपोर्ट

पारसी समुदाय का विकास में अहम योगदान: शाह

मुंबई, एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि पारसी समुदाय ने भारत के विकास में चुनावाप महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि माहनिराटी (अल्पसंख्यक) में भी कोई माहनिराटी है, तो वह रिपोर्ट पारसी है। शाह ने यह बात एक डॉक्यूमेंट फिल्म की जारी करने के बाद कही।

शाह ने कहा कि इस समुदाय ने कभी भी अपने अधिकार के लिए संरक्षण नहीं किया, केवल अपने काम के लिए संवचन किया। उन्होंने कहा कि पारसी समुदाय ने विरासत ही कर दिया।

शाह ने कहा कि पारसी समुदाय ने शासन, उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, फिनेंटेक, परमाणु विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अपना कर्तव्य निभाया और साथ ही अपराध की मूल दर्द को (फोटोड मार्शल सैम मानेकर्का का संदर्भ देने हुए) भी जीता। जिसके बायरों को जैश दीक्षा देने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि उक्तीकी प्रार्थना है कि सभी समुदाय पारसी की तरह हो, जिन्होंने बिना कुछ भी गाँठ के बायरों को जैश दीक्षा देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि पारसी समुदाय ने उत्तराखण्ड के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उन्होंने कहा कि हमारी कठवाणी, लोकतांत्रिक, वर्षानुसारी विवरण द्वारा योग्यता की गई है।

शाह ने कहा कि पारसी समुदाय ने शासन, उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, फिनेंटेक, परमाणु विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अपना कर्तव्य निभाया और साथ ही अपराध की मूल दर्द को (फोटोड मार्शल सैम मानेकर्का का संदर्भ देने हुए) भी जीता। जिसके बायरों को जैश दीक्षा देने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि उक्तीकी प्रार्थना है कि सभी समुदाय पारसी की तरह हो, जिन्होंने बिना कुछ भी गाँठ के बायरों को जैश दीक्षा देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उन्होंने कहा कि हमारी कठवाणी, लोकतांत्रिक, वर्षानुसारी विवरण द्वारा योग्यता की गई है।

शाह ने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उन्होंने कहा कि हमारी कठवाणी, लोकतांत्रिक, वर्षानुसारी विवरण द्वारा योग्यता की गई है।

शाह ने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उन्होंने कहा कि हमारी कठवाणी, लोकतांत्रिक, वर्षानुसारी विवरण द्वारा योग्यता की गई है।

शाह ने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उन्होंने कहा कि हमारी कठवाणी, लोकतांत्रिक, वर्षानुसारी विवरण द्वारा योग्यता की गई है।

शाह ने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उन्होंने कहा कि हमारी कठवाणी, लोकतांत्रिक, वर्षानुसारी विवरण द्वारा योग्यता की गई है।

शाह ने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उन्होंने कहा कि हमारी कठवाणी, लोकतांत्रिक, वर्षानुसारी विवरण द्वारा योग्यता की गई है।

शाह ने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उन्होंने कहा कि हमारी कठवाणी, लोकतांत्रिक, वर्षानुसारी विवरण द्वारा योग्यता की गई है।

शाह ने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उन्होंने कहा कि हमारी कठवाणी, लोकतांत्रिक, वर्षानुसारी विवरण द्वारा योग्यता की गई है।

शाह ने कहा कि इसी समुदाय की तरह हो, जहां हमारी इतनी भाषाएं, संस्कृति और विरासत हो। उ

जब धूटना, कंधा या कमर दर्द सताए
तो आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट ही अपनाएं



धूटना दर्द

कंधा दर्द

कमर दर्द

कलाई दर्द



Clinically Tested*
*For efficacy and safety.

'डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल'
आज ही ले आएं

10 ग्रॅमकारी आयुर्वेदिक तेलों व सत्त्वों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल जोड़ों के ऊंचर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हफ्ते हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लम्बे समय तक बना रहता है।

Dr. Juneja's
डा. ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

सर्वर के धीमा होने के चलते ईपीएफओ सदस्यों की समस्याएं पहले से ज्यादा बढ़ीं

आफत : पीएफ पोर्टल पर अब लॉगिन करना भी मुश्किल हुआ



दाई महीने का वरत लगेगा

ईपीएफओ का कार्यालय में अपनी समस्या के निपटान के लिए नया सोपानदेवयर लाने का फैसला किया गया है। मंत्रालय के निर्वाचन पर पोर्टल और ऐप पर नए सोपानदेवयर को करीब दाई महीने में शुरू कर दिया जाएगा। नया सिस्टम अनेकों बाद पोर्टल पर लॉगिन करने से लेकर दावा करने और उनका निपटान करने की प्रक्रिया पहले से आसान हो जाएगी।

इसको लेकर लोग सोशल मीडिया के जरिए भी शिखने के बाद गहरा है। पोर्टल के जरिए लॉगिन करने में भी ऐप के जरिए लॉगिन करने का वर्कर तक कमी बढ़ गई है। अगर लॉगिन हो जाए है तो उनके बाद निकासी के लिए दावा करने या पासबुक डाउनलोड करने में भी पेशानी हो रही है। बस सबसे ज्यादा पेशानी उन लोगों को हो रही है, जो पुरानी नौकरी और नई नौकरी में भी पेशानी हो रही है। अब और वो अपनी पुरानी धनवाच को नए खाते में शिष्ट नहीं करा पा रहे हैं।

लंबे वक्त से दिक्कतों: गैर-तरलब

नई दिल्ली, एजेंसी। मुद्रास्फीट जैसे वृहत आर्थिक अंकड़े, वैश्विक रुपानी और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां इस समाह शेयर बाजार की चाल तय करेंगी। बाजार विश्लेषकों ने यह बताया है।

उनका कहना है कि विश्व बाजार की दिग्बावल के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई जबरदस्त मुनाफाकाली से बोते सपाह शेयर बाजार लुढ़के थे। सेंसेक्स 1181.84 अंक का गोता लगाकर सपाह के अंतिम कारोबारी दिवस पर दो सपाहों के निचले स्तर पर, और 82 दावा अंक के मोर्चाजानिक स्तर के नीचे 81183.93 अंक रह गया। वहीं, निचों मी 383.75 अंक

हैं। उनका कहना है कि पोर्टल पर एक बार में लॉगिन नहीं होता है। अगर लॉगिन हो भी जाता है तो फिर से केवल इसी अपडेट मांगता है, जबकि लेकर कई सारी समस्याएं आ रही हैं। इसको लेकर लोग सोशल मीडिया के जरिए भी लगातार शिकायतें कर रहे हैं।

की मिशनटके साथ 24852.15 अंक पर बंद हुआ।

विश्लेषकों के अनुसार, भारत में निवेशक इस सपाह उपभोक्ता मूल्य सुचाकांक आधारित मुद्रास्फीटि सहित अन्य वृहत आर्थिक अंकड़े जारी होने का इंतजार करेंगे। वैश्विक स्तर पर, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नियंत्रण दर में कोरिटी को लेकर आशावादी बने हुए हैं।

इस हफ्ते 13 आईपीओ में निवेश का मौका

09 सिर्टरब को बजाज हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ पेश किया जाएगा।



जुटाने की उम्मीद है। चारों कंपनियां कुल 8,390 करोड़ रुपये, क्रॉस लिमिटेड 500 करोड़ रुपये और टालिम टायर्स के 230 करोड़ रुपये।

किस दिन पेश होंगे : चार बड़े

कंपनियां को साझा करने की जोगना है।

जुटाने की उम्मीद है। चारों कंपनियां कुल 8,390 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है।

आईपीओ से बजाज हाउसिंग फाइनेंस, क्रॉस लिमिटेड और टालिम टायर्स के आईपीओ आवेदन के लिए नीति सिवाय खुलेंगे और 11 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 सिर्टरब को खुलेगा और 12 सिर्टरब को बंद होगा।

को बंद होगा। चारीं पी.एन गाडगिल ज्वैलर्स का आईपीओ 10 स

